• व्रत...

संकष्टी चतुर्थी

हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य माना गया है। हिंदू धर्म में सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है. किसी भी शुभ का और मांगलिक काम की शुरुआत से पहले भगवान गणेश की पूजा जरूरी मानी जाती है। भगवान गणेश को बुधवार का दिन समर्पित किया गया है। इसके अलावा हर माह की चतुर्थी तिथि भी विघ्नहर्ता भगवान को समर्पित की गई है। हिंदू धर्म में चतुर्थी तिथि बहुत ही विशेष और पावन मानी गई है।

▶ हिंदू मान्यताओं के अनुसारहर माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। संकष्टी चतुर्थी पर व्रत के साथ ही भगवान गणेश का पूजन भी किया जाता है। हर माह में पड़ने वाली संकष्टी चतुर्थी के अलग-अलग नाम होते हैं. चैत्र माह में जो संकष्टी चतुर्थी पड़ती है, उसे भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन करने से बप्पा प्रसन्न होते हैं। इस दिन व्रत और पूजन करने से घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि चैत्र माह में संकष्टी चतुर्थी का व्रत कब है. इसकी

पूजा विधि क्या है।

▶ हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 17 मार्च को रात 7 बजकर 33 मिनट पर हो जाएगी। वहीं इस तिथि का समापन 18 मार्च रात 10 बजकर 9 मिनट पर होगा। संकष्टी चतुर्थी के दिन चद्रोदय के समय भगवान गणेश की पूजा का खास महत्व है. इसलिए, भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी का व्रत 17 मार्च को रखा जाएगा।

▶ पूजा विधि-संकष्टी चतुर्थी के व्रत के दिन सबसे पहले सुबह उठकर स्नान करके साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद घर और पूजा स्थान की सफाई करें। फिर पूजा स्थान पर एक पवित्र चौकी रखकर उसपर भगवान गणेश की प्रतीमा या तस्वीर रखें। भगवान गणेश के समक्ष घी का दीपक जलाएं। भगवान को पीले फूलों की माला और दूर्वा चढ़ाएं। भगवान का तिलक करें। उनको मोदक और मोतीचूर लड्डू का भोग लगाएं। ऊं भालचंद्राय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी की व्रत कथा पढ़ें।

• काम की बात...

घर के अंदर शिवलिंग

भगवान महादेव के शिवलिंग में बहुत उर्जा होती है। भगवान शिव को ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। भगवान शिव के शिवलिंग की ऊर्जा को बड़े-बड़े देव दानव तक नहीं संभाल पाए, हम लोग तो फिर भी आम इंसान हैं। आज हम बताने जा रहे हैं कि शिंवलिंग की स्थापना घर में करनी चाहिए या नहीं। शिवलिंग को घर में स्थापित करने लेकर मतभेद हैंद्ध

⏩ शिवलिंग ऊर्जामयी होता है। इससे बहुत ऊर्जा निकलती है। साथ ही ये ऊर्जा का परम स्त्रोत है। इस कारण कुछ विशेषज्ञों का ये मानना है कि शिवलिंग की स्थापना घर में नहीं करनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि शिवलिंग से बहुत ही ज्यादा ऊर्जा निकलती है, जिसके कारण घर में कई परेशानियां हो सकती हैं। मानसिक तनाव हो सकता है। शारीरिक परेशानियां घेर सकती हैं। क्रोध आ सकता है।

⏩ शिवलिंग की ऊर्जा ज्वाला की तरह होती है। जो नुकसानदेह भी साबित हो सकती है। शिवलिंग पर रोज जल देने की आवश्यकता होती है। ऐसा करना सिर्फ मंदिरों में संभव हो पाता है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि शिवलिंग को घर में स्थापित किया जा सकता है, लेकिन कुछ नियमों का पालन करना होगा, नहीं तो घर में शिवलिंग स्थापित करने के दुष्परिणाम हो सकते हैं।

⏩ अगर घर में शिवलिंग स्थापित करना चाहते हैं, तो ध्यान रहे कि वो आकार में अंगूठे से ज्यादा बड़ा न हो।

⏩ घर में पारे से बना शिवलिंग रखें। ये बहुत ही शुभ होता है। शिवलिंग के साथ ही गणेश जी, देवी पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और नंदी की छोटी सी मूर्ति भी रखनी चाहिए।

⏩ घर में एक से ज्यादा शिवलिंग स्थापित न करें।

⏩ अगर आप धातु रूप में शिवलिंग स्थापित करना चाहते हैं, तो वो सोने, चांदी या ताम्बे का होना चाहिए। साथ ही ध्यान दें कि उस पर नाग भी लिपटा रहे।

⏩ जब भी शिवलिंग स्थापित करें तो ध्यान रखें कि उसकी स्थापना उत्तर पूर्व दिशा में न हो। साथ ही कभी घर के कोने में शिवलिंग स्थापित न करें।

⏩ शिवलिंग हमेशा ऊर्जा का संचार करता रहता है। इसलिए ध्यान दें कि शिवलिंग पर जल बहता रहे। इससे ऊर्जा शांत रहती है।

⏩ शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा न करवाएं। नियमित रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाना चाहिए।

⏩ रोज शिवलिंग के पास दिया जलाएं।

⏩ इस बाद का खास ध्यान रखें कि स्थापित किए गए शिवलिंग की जगह न बदले। अगर ऐसा करना पड़े तो पहले शिवलिंग पर पहले गंगाजल और ठंढे दूध डालें। फिर उसका स्थान बदलें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पुराने फर्नीचर के कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं जो घर के लिए सद्भाव, स्वास्थ्य और समृद्धि को प्रभावित करते हैं। आपको हमेशा से ही फर्नीचर के रूप में नई चीजें लाने की ही सलाह दी जाती है और ऐसा कहा जाता है कि नए किसी भी सामान में ऐसी ऊर्जा होती है जो घर की अन्य चीजों को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। यही नहीं पुरानी चीजों के दुष्प्रभाव से आपके घर में अशांति रह सकती है और आपसी झगड़े हो सकते हैं...

कभी ना खरीदें पुराना फर्नीचर...

आपके घर का फर्नीचर ऊर्जा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसा माना जाता है घर में मौजूद हर एक चीज मुख्य रूप से आपका फर्नीचर जीवन में सकारात्मक और नकारात्मक पहलू लाने में मदद करता है। कई बार हम बाजार से कोई ऐसा फर्नीचर ले आता हैं जो देखने में आकर्षक तो लगता है, लेकिन वास्तव में ये किसी के द्वारा पहले इस्तेमाल किया हुआ होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पुराने फर्नीचर के कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं जो घर के लिए सद्भाव, स्वास्थ्य और समृद्धि को प्रभावित करते हैं। आपको हमेशा से ही फर्नीचर के रूप में नई चीजें लाने की ही सलाह दी जाती है और ऐसा कहा जाता है कि नए किसी भी सामान में ऐसी ऊर्जा होती है जो घर की अन्य चीजों को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।

यही नहीं पुरानी चीजों के दुष्प्रभाव से आपके घर में अशांति रह सकती है और आपसी झगड़े हो सकते हैं। यदि आप घर के लिए पुराना या किसी और के द्वारा इस्तेमाल किया गया फर्नीचर खरीदते हैं तो आपको इसके कौन से दुष्प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

● पुराने फर्नीचर में अक्सर अपने पिछले मालिकों की भावनाएं समाहित होती हैं। ये ऊर्जाएं चाहे सकारात्मक हों या नकारात्मक, आपके घर की आभा को प्रभावित कर सकती हैं। यदि वह फर्नीचर किसी ऐसे घर का हिस्सा रहा है जिसमें वित्तीय नुकसान, स्वास्थ्य समस्याएं या संघर्ष का अनुभव हुआ है, तो ऐसी ऊर्जाएं आपके घर में भी उस फर्नीचर के माध्यम से स्थानांतरित हो सकती हैं और आपके घर के ऊर्जा संतुलन को बाधित कर सकती हैं।

● ऐसा माना जाता है कि पुराना फर्नीचर अक्सर अपने पिछले मालिकों और उस वातावरण की ऊर्जा को वहन करता है, जिसमें इसका उपयोग किया गया था। अगर पहले रखे स्थान पर फर्नीचर नकारात्मक घटनाओं, विवादों या तनाव वाले स्थान का हिस्सा था, तो यह उन कंपनों को नए स्थान पर भी बनाए रख सकता है। सुनने में भले ही आपको थोड़ा अटपटा लगे, लेकिन पुराना फर्नीचर कई बार आपके लिए नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत हो सकता है और इसके माध्यम से आपके घर में किसी दूसरे की नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर सकती है। जब आपके घर में ऐसा कोई फर्नीचर रखा जाता है, तो यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित कर सकता है, जिससे शांति और सद्भाव में कमी आ सकती है।

● जो फर्नीचर पुराना या खराब रखरखाव वाला है, उसमें एलर्जी के बैक्टीरिया धूल और कीड़े हो सकते हैं। कई बार पुराने फर्नीचर में खटमल हो जाते हैं जब आप ऐसा कोई फर्नीचर घर ले आते हैं तो वो खटमल आपके घर में भी आ सकते हैं। फिर भी शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से परे, वास्तु का मानना है कि इससे घर में नकारात्मक कंपन बढ़ता है। परिवार के सदस्यों को अस्पष्टीकृत स्वास्थ्य समस्याएं, थकान या तनाव का अनुभव हो सकता है।

● वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में रखा टूटा-फूटा या खराब स्थिति वाला फर्नीचर नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनता है और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। ऐसा फर्नीचर न केवल घर की सुंदरता को कम करता है, बल्कि यह समृद्धि और सुख-शांति के प्रवाह में भी बाधा उत्पन्न कर सकता है। पुराना और क्षतिग्रस्त फर्नीचर अक्सर वित्तीय अस्थिरता का प्रतीक माना जाता है। यह घर में धन की कमी, अनावश्यक खर्च, और अप्रत्याशित आर्थिक समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेष रूप से यदि वह फर्नीचर खराब स्थिति में हो या लंबे समय से उपयोग में न आ रहा हो, तो यह घर के ऊर्जा चक्र को असंतुलित कर सकता है।

● घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने और आर्थिक समृद्धि के लिए पुराने और टूटे हुए फर्नीचर को या तो मरम्मत करवाना चाहिए या हटा देना चाहिए। वास्तु विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसा करने से घर में शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है, जो आर्थिक उन्नति और खुशहाली के लिए अनुकूल होता है। इसलिए, घर की ऊर्जा को संतुलित रखने के लिए फर्नीचर की स्थिति पर ध्यान देना जरूरी है।

● अशांत वातावरण से जुड़ा पुराना फर्नीचर पारस्परिक संबंधों को प्रभावित कर सकता है। उदाहरण के लिए, जिस घर में बार-बार बहस होती है, उसका बिस्तर परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमी और झगड़े का कारण बन सकता है। कई बार पुराना फर्नीचर आपके रिश्तों में तनाव का कारण भी बन सकता है। खासतौर पर यदि आप अपने सोने के स्थान पर पुराना फर्नीचर रखते हैं तो आपके वैवाहिक जीवन में भी तनाव आ सकते हैं। आपके जीवनसाथी के साथ संबंध खराब हो सकते हैं।

■ पं. नित्यानंद

• उपाय...

नमक की पोटली

नमक हर खाने में डाला जाता है। जब हमें घर में नेगिटिव एनर्जी का अहसास होता है, तो इसे कम करने के लिए भी हम नमक का इस्तेमाल करते हैं। इसकी वजह से घर में सकारात्मक असर दिखाई देता है। इसी नमक की पोटली बनाकर आपको अपने घर के मेन गेट पर लटकाना है। ऐसा करने से आपका शुक्र मजबूत होता है। साथ ही आपके घर में आने वाली नेगिटिव एनर्जी कम हे जाती है। इसके बाद आपको पैसों की समस्या नहीं होगी। साथ ही, रुका हुआ धन भी आपको वापस मिल जाएगा। नमक की पोटली को मुख्य दरवाजे पर लटकाने से पहले आप पंडित जी की राय जरूर लें। इससे आपको सही समय और दिशा की जानकारी मिल जाएगी। घर में पैसों की कमी दूर करने के लिए ये सबसे आसान उपाय है। इसे करने से आपका शुक्र मजबूत होगा। ऐसा करने से आपके जीवन में कभी भी नकारात्मक का प्रभाव नहीं दिखाई देगा इस उपाय को करने से आपके दांपत्य जीवन में सकारात्मक असर दिखाई देगा।

• शेर शेरनी का जोड़े...

अगर किसी को सपने में शेर दिखाई देता है, तो ये सपना इस बात का भी संकेत देता है कि उस व्यक्ति को अपने शत्रुओं पर विजय मिलने वाली है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति सपने में शेर या शेर शेरनी के जोड़े को देखता है, तो ये सपना इस बात का संकेत होता है कि उसका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। यही नहीं सपने में शेर शेरनी के जोड़ा नजर आना प्रेम संबंधों में सफलता का संकेत भी देता है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौत्तम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित